

प्रेषक,

पी0सी0 शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

वरिष्ठ नियोजक,
नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग,
देहरादून।

आवास अनुभाग-1

दिनांक: 20 मार्च, 2012

विषय: वित्तीय वर्ष 2011-12 में 'नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग' अधिष्ठान के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में अन्य भत्ता मद हेतु पुनर्विनियोग स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अधिष्ठान हेतु कतिपय मदों में वित्तीय वर्ष 2011-12 में धनराशि कम पड़ने के कारण संलग्नक बी0एम0-15 में उल्लिखित विवरणानुसार रु0 5,00,000/- (रु0 पाँच लाख मात्र) की धनराशि को अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों में पुनर्विनियोग द्वारा व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2 स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यवर्तन अन्य मदों में नहीं किया जायेगा और उक्त मदों में अब तक इस वित्तीय वर्ष में अतिरिक्त आवंटन नहीं किया जायेगा।

3 स्वीकृति की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यकतानुसार उन मदों पर ही किया जायेगा तथा देयता के निर्धारित मानकों के अन्तर्गत ही व्यय किया जायेगा।

4 आबंटित बचत की सीमा में प्रतिमाह की 5 तारीख तक प्रपत्र बी0एम0-8 तथा प्रपत्र बी0एम0-13 पर सूचना शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

5 व्यय करते हुए वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, अधिप्राप्ति नियमावली, मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेश एवं तद्विषयक आदेशों का अनुपालन किया जायेगा।

6 अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय दिनांक 31.03.2012 तक सुनिश्चित कर लिया जाय।

7 उक्त व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों तथा वित्त विभाग के पत्र संख्या-209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 में प्रतिनिधानित अधिकारों के तहत जारी किये जा रहे हैं।

8 व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा, जिसके लिये यह व्यावर्तित किया जा रहा है।

9 इस संबंध में होने वाला वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-13 के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 में उल्लिखित सुसंगत इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

10 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-217-XXVII/(2)/2012, दिनांक 19 मार्च, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक यथोक्त

भवदीय,

(पी0सी शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या: 39/4-37/112 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1 महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड।
- 2 प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3 मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4 वित्त अनुभाग-2/ वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 5 एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6 गार्ड, बुक।

आज्ञा से,

(पी0सी शर्मा)
प्रमुख सचिव।

बी0एम0-15

पुनर्विनियोग प्रस्ताव 2011-12 आयोजनेतर

अनुदान सं0-13

विभाग का नाम-नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।

प्रशासनिक विभाग का नाम-आवास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।

(धनराशि हजार में)

बजट प्राविधान तथा लेखा शीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस धनराशि	लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है।	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-1 की कुल धनराशि	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2217-शहरी विकास 03-छोटे तथा मध्यम नगरों का समेकित विकास 001-निर्देशन तथा प्रशासन 06-नगर एवं ग्राम नियोजन अधिष्ठान				2217-शहरी विकास 03-छोटे तथा मध्यम नगरों का समेकित विकास 001-निर्देशन तथा प्रशासन 06-नगर एवं ग्राम नियोजन अधिष्ठान			बजट प्राविधान कम होने के कारण
03-महगाई भत्ता, 9300	5850	2900	550(ख)	06 अन्य भत्ता 500(क)	2800	8800	(क) आवश्यकता अधिक होने व बजट प्राविधान कम होने के कारण (ख) आवश्यकता न होने के कारण

उत्तराखण्ड शासन

आवास अनुभाग-1

संख्या: 217(ए)/XXVII/(2)/2012,

देहरादून: दिनांक 19 मार्च, 2012.

पुनर्विनियोग स्वीकृत

(पी0सी शर्मा)

प्रमुख सचिव।

सेवा में,

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)
उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड,
माजरा, देहरादून।

(डा0 एम0सी0जोशी)
अपर सचिव, वित्त।

संख्या: 10/V-आ0-13(आ0)/2010 तदुद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1 वरिष्ठ नियोजक, नगर एवं ग्राम उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2 वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3 कोषाधिकारी, हल्द्वानी।
- 4 वित्त अनुभाग-2/ वित्त नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 5 एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6 गार्ड बुक।

आज्ञा से

(गारिमा रौकली)

उपसचिव।